आ–मनर्रसूल की आयत

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

यह आयत पढ़ने का बहुत सवाब है और मेराज की रात रसूल–ए–ख़ुदा स0 और हक़ तआला के बीच हुए सवालों का इसमे जवाब है और आयतें ख़ास तौर–तरीक़े से इशा की नमाज़ के बाद पढ़ने की ज़्यादा सवाब है।

इशा की नमाज़ के बाद दोनों आयतें पढ़े तो ऐसा है जैसे पूरी रात जाग कर अल्लाह की इबादत की और दौराने आयत पढ़ने से दीन व दुनिया की तमाम हाजतें पूरी होंगी और शैतान उसके पास नहीं आ सकेगा।

आ–मनर्रसूलु बिमा उनज़ि–ल इलैहि मिर्रबबिहि वल मोमिनून, कुल्लुन आ–म–न बिल्लाहि व मलाइ–कतिहि व रुसुलिहि, ला नुफ़र्रिकु बै–न अ–ह–दिम मिर्रसूलिह, व क़ालू समेअ्–न व अतअ्ना, गुफ़रा–न–क रब्बना व इलैकल मसीरु ला यूकललिफुल्लाहु नफ़सन इल्ला

वुस–अहा, लहा मा क–स–बत व अलैहा मक–त–स–बत, रब्बना ला तूआख़िज़ना इन नसीना औ अख़ताना, रब्बना वला तहमिल अलैना इसरन कमा हमल–तहू अलल्लज़ी–न मिन क़ब–लिना, रब्बना व ला तु–हममिलना माला ता–क़–त लना बिही, वअ्फू अन्ना, वग़फ़िर लना, वर–हमना, अन–त मौलाना फ़नसुरना अलल क़ौमिल काफ़िरीन।

आ-मनर्सूल की आयत

Page 2